प्रारुप–6
प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनाँक **30/08/2014** .को **प्रा0 ख0 लो0 नि0 वि0 पिथौरागड** (एजेन्सी का नाम) के द्वारा **नाधर** से **कुमलता गंगासेरी** .तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से **श्री जगदीश सिंह बिष्ट, वन दरोगा** , राजस्व विभाग की ओर से **श्री किशन सिंह मेहरा, पटवारी–टोटानौला** , प्रस्तावक विभाग की ओर से **श्री विरेन्द्र सिंह दानू कनिष्ठ अभियन्ता** अन्य दावेदारों की ओर से **श्री कृष्ण कुमार वर्क एजेंट** तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में **श्री चम्पा देवी ग्राम प्रधान** के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया ।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृश्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें **3090 (मी0)** नाप भूमि.से, **810 (मी0)** सिविल भूमि से, **100 (मी0)** वन पंचायत से, **शून्य (मी0)** आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल **3.60 हे0** नाप भूमि. **2.781 हे0**, **0.729 हे0** सिविल भूमि **0.09 हे0** वन पंचायत भूमि **शून्य हे0** आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल **0.819 हे0** भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग **15** वृक्ष **विभिन्न** प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से **10** बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें **3050** (मी0) नाप भूमि.से, **850** .(मी0) सिविल भूमि से, **100** (मी0) वन पंचायत से, **शून्य** (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल **3.60** हे0 नाप भूमि **2.745** हे0 **0.765** हे0 सिविल भूमि **0.09** हे0वन पंचायत भूमि **शून्य** हे0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल **0.765** हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवक्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग **25** वृक्ष. **विभिन्न** प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से **16** बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।
अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन –– .कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन –– .है एवं इन कक्षों में –– प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर विभिन्न .प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर विभिन्न प्रजाति के .वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान **29°38'27.26"N, 80°15'6.23"E.** है तथा यह स्थल रामकोट से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल पत्थरकोट .है जिसका GPS मान **29°39'20.02"N, 80°14'54.58"E** .है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान. **1– 29°38'58.00"N, 80°15'0.43"E, 2– 29°39'9.35"N, 80°15'15.19"E,** हैं।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राश्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा है/ नही है ।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नही होगा ।

इस समरेखण पर मोटर मार्ग के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु **3** .स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका GPS मान **1– 29°38'23.09"N, 80°15'6.47" 2– 29°38'58.02"N, 80°15'0.44" 3– 29°39'9.37"N, 80°15'15.21" 4–29°39'22.06"N, 80°15'4.05"** हैं।

अन्य आवश्यक विवरण – उवरोक्तानुसार

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(प्रयोक्ता एजेन्सी)	(वन विभाग)	(राजस्व विभाग)	(अन्य दावेदार)	(जन प्रतिनिधि)
प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि

नोट– इस रिपोटृ पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।